By:- Sunita Kumari
Dept. of History
J.N.C. Madhubani

B.A. History
Reg. III
Paper-VIII

सरकार द्वारा संचालित प्रमुख रोजगार योजनाएँ

(Main Employment plans directed by Govt.)

1. स्वर्ण जयन्ती शहरी रोजगार योजना (SJSRY) दिसम्बर 1997
इसका प्रमुख उद्देश्य शहरी क्षेत्रों मे बेरोजगारों को स्वरोजगार के अवसर उपलब्ध कराना। इस योजनान्तर्गत स्वरोजगार कार्यक्रम एवं शहरी मजदूरी रोजगार कार्यक्रम संचालित हैं- केन्द्र एवं राज्य के 75:25 के आधार पर वित पोषित।

2. स्वर्ण जयन्ती ग्राम स्वरोजगार योजना (SJGSY) (अप्रैल 1999)
इसका प्रमुख उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में गरीबी की रेखा के नीचे रहनेवाले लोगों को स्वयं सहायता समूहों के माध्यम से स्वरोजगार पैदा करना। यह योजना केन्द्र एवं राज्य के 75:25 आर्थिक संसाधनों से संचालित किया गया है।

3. प्रधानमंत्री ग्राम सड़क योजना (25 दिसम्बर 2000): इस योजना का प्रमुख उद्देश्य वर्ष 2007 तक 500 तक की आबादी के सभी गाँवों को मुख्य सड़कों से जोड़ते हुए गाँवों मे मजदूरीपरक रोजगार उपलब्ध कराना। इसमें 60 हजार करोड़ रुपये की महत्वाकांक्षी योजना सभी राज्यों में संचालित है।

4. महात्मा गाँधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना 2005 (2 फरवरी 2006): इस योजना का प्रमुख उद्देश्य ग्रामीण क्षेत्रों में प्रत्येक परिवार के एक सदस्य को वर्ष में न्यूनतम 100 दिन अकुशल श्रमवाले रोजगार की गारण्टी। यह योजना रोजगार की वैधानिक गारण्टी देती है। इस योजना में इच्छुक एवं पात्र व्यक्ति द्वारा पंजीकरण कराये जाने के 15 दिन के अन्दर रोजगार न दिये जाने पर निर्धारित दर से बेरोजगारी भत्ता देने का प्रावधान है। अप्रैल 2008 से यह योजना सम्पूर्ण देश में लागू है।

भारत में बेरोजगारी की समस्या के समाधान के लिए सुझाव:-

1. तीव्र आर्थिक विकास :- भारत के आर्थिक विकास की गति अपेक्षाकृत धीमी रही है। अतः देश की तीव्र आर्थिक विकास द्वारा रोजगार के अवसरों में पर्याप्त वृद्धि की जा सकती है। इसके लिए नए उद्योगों की स्थापना तथा वर्तमान उद्योगों की उत्पादन-क्षमता का विस्तार होना चाहिए। देश का उद्योगीकरण उन्हें से अधिकाधिक श्रमप्रधान औद्योगिक केन्द्रों की ओर गतिशील होगी। इससे कृषि पर से जनसंख्या का अनावश्यक बोझ कम होगा तथा हमें ग्रामीण बेरोजगारी की समस्या के समाधान में भी बहुत सहायता मिलेगी।

2. जनसंख्या वृद्धि पर नियंत्रण :- भारत में बेरोजगारी की समस्या का देश की जनसंख्या से प्रत्यक्ष संबंध है। हमारी जनसंख्या निरंतर बहुत तेजी से बढ़ रही है। परन्तु रोजगार के अवसरों में उस अनुपात से वृद्धि नहीं होती है। परिणामतः देश में बेरोजगारों की संख्या क्रमशः बढ़ती जा रही है तथा इसने एक गंभीर रूप धारण कर लिया है। अतः इस समस्या के निदान के लिए जनसंख्या का नियंत्रण नितांत आवश्यक है।